सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 309 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

तकनीक बस एक साधन है। बच्चों को एक साथ काम करने और मोटिवेट करने के लिए, शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण हैं।

-बिल गेट्स

भारत पर बढ़ा फॉलोऑन का... 7 | जोरदार होगा दिल्ली का चुनावी... 3 | झुग्गी में जाने का ड्रामा कर रही... 2

वन नेशन, वन इलेक्शन पर संसद में बढ़ा सियासी कोहराम

विधेयक लोकसभा में पेश, विरोध में उतरा विपक्ष

» **विपक्ष के नेता बोले- यह संघीय ढांचे पर हमला**

» **सरकार बोली देश का धन बचेगा**

» **मनीष तिवारी ने दिया विरोध में नोटिस**

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में वन नेशन, वन इलेक्शन, विधेयक पेश कर दिया गया है। पर विपक्ष ने इसका विरोध किया है। सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके ने इस विधेयक को संघीय ढांचे पर हमला बताते हुए एनडीए की मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया। इन सबके बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के विशेष बैग को लेकर भाजपा ने कांग्रेस नेता पर तीखा प्रहार किया। उधर चर्चा है कि विधेयक पेश करने के बाद कानून मंत्री मेघवाल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इस विधेयक को व्यापक विचार-विमर्श के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का अनुरोध करेंगे।

वहीं तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने एक राष्ट्र एक चुनाव बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। इससे पहेल कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक पेश किए जाने का विरोध करने के लिए एक नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि मैं मनीष तिवारी,संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 को प्रक्रिया नियम के नियम 72 के तहत पेश किए जाने का विरोध करने के अपने इरादे का नोटिस देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक पर उनकी आपत्तियां संवैधानिकता और संवैधानिकता के बारे में गंभीर चिंताओं पर आधारित हैं। अपनी आपत्तियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने नोटिस में लिखा कि विधेयक संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। संविधान का अनुच्छेद 1 स्थापित करता है कि इंडिया, यानी भारत, राज्यों का एक संघ होगा, जो इसके संघीय चरित्र की पुष्टि करता है। संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक 2024, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव करता है, राज्यों में एकरूपता लागू करके इस संघीय ढांचे को सीधे चुनौती देता है।

आरएसएस व पीएम मोदी का असली उद्देश्य नया संविधान लाना : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक केवल पहला मील का पत्थर है, असली उद्देश्य एक नया संविधान लाना है,संविधान में संशोधन करना एक बात है, लेकिन एक नया संविधान लाना आरएसएस और पीएम मोदी का असली उद्देश्य है।

नड्डा के प्रस्ताव का विपक्ष ने किया विरोध

जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा, डॉ. बीआर अंबेडकर ने खुद कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए, फिर भी विपक्ष अपनी तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए संविधान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है, नड्डा ने आरक्षण के मुद्दे पर बहस की मांग की, लेकिन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव का मौखिक रूप से विरोध किया।

वन नेशन वन इलेक्शन के खिलाफ है सपा

लोकसभा में आज वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव पेश होने पर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि पार्टी इस प्रस्ताव के खिलाफ है।

राज्य की स्वायत्तता खत्म हो जाएगी : मनीष तिवारी

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि इस तरह के कदम से राज्य की स्वायत्तता खत्म होने, स्थानीय लोकतांत्रिक भागीदारी कम होने और सत्ता के केंद्रीकरण का जोखिम है, जिससे बहुलवाद और विविधता को नुकसान पहुंचेगा, जो भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार की आधारशिला है। अलग-अलग राज्यों के अनूठे राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों की अनदेखी न केवल उनकी विशिष्टता की उपेक्षा करती है बल्कि संविधान में निहित संघवाद और लोकतंत्र के सिद्धांतों को भी

बुनियादी तौर पर कमजोर करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि विधेयक संविधान के मूल ढांचे को प्रभावित करेगा। एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में अनुच्छेद 82ए को शामिल करने का प्रस्ताव राज्य विधानसभाओं को समय से पहले भंग करने की आवश्यकता पैदा करता है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 के तहत गारंटीकृत विधायी निकायों के निश्चित कार्यकाल में प्रभावी रूप से बदलाव होता है, जिसे प्रस्तावित विधेयक के माध्यम से और संशोधित किया जाएगा।

यूपी विधान सभा में फिर विपक्ष ने योगी सरकार को घेरा

» **अनुपूरक बजट को लेकर सपा ने उठाए सवाल**

» **विपक्ष बोला- सप्लीमेंट्री बजट के नाम पर रूपयों का बदंरबाट कर रही है सरकार**

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी भारी हंगामा जारी रहा। मंगलवार को योगी सरकार भारी-भरकम राशि का अनुपूरक (सप्लीमेंट्री) बजट लेकर आयी है। बजट का मकसद महाकुंभ का सफल आयोजन और विकास से जुड़ी जनहित की उन योजनाओं को वित्तपोषित करना है जो जनता से सीधी जुड़ी है। विपक्ष ने इस सप्लीमेंट्री बजट पर सवाल खड़े किये हैं और कहा है कि सरकार मुख्य बजट तो खर्च नहीं कर पा रही उल्टे सप्लीमेंट्री बजट के नाम पर रूपयों का बदंरबाट कर रही है।

सदन में गूंजा महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का मुद्दा

यूपी विधानमंडल के सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। दूसरे दिन की कार्रवाई प्रश्नकाल के साथ शुरू हो गई है। सदन में विपक्ष ने महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। कहा कि एनसीआरबी और सरकार के आंकड़ों में काफी हेर फेर है। सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए विचार करना चाहिए। अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आते हैं।

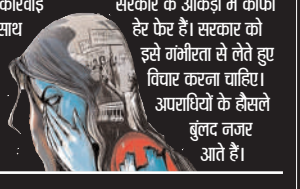

न खाद न दाल, जनता बेहाल : शिवपाल

सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल ने पार्टी की तरफ से मोर्चा सम्भाला है और सीधे सरकार पर आक्रमण कर दिया है। उन्होंने कहा है कि योगी की सरकार में किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है, महंगाई इतनी है कि गरीब आदमी दाल नहीं खा पा रहा है और सरकार बजट का ढिंढोरा पीट रही है। समाजवादी पार्टी से विधायक शिवपाल यादव ने कहा है कि हम लोगों ने भीचार बार सरकार चलाई है। हम लोगों ने भी बजट अनुपूरक पेश किया था। लेकिल जो स्थिति इस सरकार में प्रदेश की है वह स्थिति कभी किसी सरकार में नहीं रही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को कही भी डीएपी नही मिल पा रही है। और सरकार बार बार अनुपूरक बजट ला रही है। पिछला बजट सरकार से खर्च नही हो सका है। किसान डीएपी के लिए संघर्ष कर रहा है।

प्रियंका पर भड़क गई बीजेपी

विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर में अपने विरोध प्रदर्शन के तहत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के बारे में संदेश लिखी तख्तियां भी ले रखी थीं। विपक्ष संसद में उन मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए अनूठे तरीकों से विरोध कर रहा है जिन पर वे चर्चा करना चाहते हैं, जैसे अमेरिकी अदालत द्वारा व्यवसायी गौतम अडानी पर अभियोग। सांसदों ने इस शीतकालीन सत्र में मोदी-अडानी एक है संदेश वाली

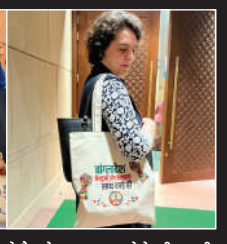

जैकेट और टी-शर्ट पहनकर विरोध जताया है।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने अपने बैग के साथ बयान देने की अपनी विशिष्ट शैली जारी रखी। 17 दिसंबर को संसद में एक बैग लेकर पहुंची, जिस पर लिखा था, हम बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हैं। इससे एक दिन पहले कांग्रेस नेता को फिलिस्तीन शब्द से सजे बैग के साथ देखा गया था। अपने कंधे पर बांग्लादेश बैग के साथ प्रियंका गांधी को मंगलवार को संसद परिसर में बांग्लादेश में हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों के खिलाफ कांग्रेस सांसदों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते देखा गया।

झुग्गी में जाने का ड्रामा कर रही है भाजपा : आतिशी

» सीएम बोलीं- भाजपा को वोट मत देना, पांच साल के लिए वो आपकी जरूरतों को पूरा नहीं करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों जोरों पर हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर निशाना साध रही हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधा है। सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा झुग्गी में जाने का ड्रामा कर रही है। सीएम आतिशि ने कहा कि उन्हें (भाजपा) वोट मत देना क्योंकि पांच साल के लिए वो आपकी जरूरतों को पूरा नहीं करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने पांच सालों में आपकी जरूरतों को पूरा करेंगे।

उन्होंने फ्री बिजली, फ्री पानी, सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा, मोहल्ला क्लीनिक में फ्री इलाज हो रहा है। अरविंद केजरीवाल ऐसे नेता हैं जो झुग्गी में रहने रहने वाले लोगों की फिक्र करते हैं। झुग्गी झुपड़ी वाले लोग भाजपा नेताओं से संभल कर रहें। क्योंकि वे आपकी झुग्गी तोड़ेंगे और आपका वोट भी काट देंगे।

झुग्गी वासियों से भाजपा कर रही सीधा संवाद

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने झुग्गी क्लस्टरों पर विशेष तौर पर फोकस किया है। बी और सी कैटगरी वाली उन सीटों पर जोर लगा रही है जहां कांग्रेस के परंपरागत वोट आम आदमी पार्टी की तरफ चले गए थे। लोकसभा चुनाव परिणाम में भी यह स्पष्ट तौर पर दिखा था। लिहाजा इस वोट बैंक को अपने खाते में लाने की मुहिम तेज की है। पिछले पांच महीने से यह अभियान चल रहा है। पार्टी ने झुग्गी विस्तारकों और झुग्गी पालकों की नियुक्ति की है। इसी कड़ी में रविवार को झुग्गी वासियों से भाजपा नेता सीधा संवाद किए और रात्रि प्रवास भी किया।

मनीष सिसोदिया ने अमित शाह पर निशाना साधा

इसी बीच आम आदमी पार्टी के जंगपुरा से उम्मीदवार मनीष सिसोदिया ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को स्कूल, बिजली, अस्पताल पर काम करने की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने सरकारी अस्पतालों पर काम किया और उन्हें बेहतर बनाया। अब 24 घंटे बिजली आती है, बिजली का बिल शून्य है, सरकारी स्कूल अब शानदार हैं। आगे कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को जो भी जिम्मेदारियां दी थीं, उन्होंने उन्हें बखूबी निभाया। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के लोगों ने अमित शाह और भाजपा को कानून व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी। लेकिन उनके पद पर रहते हुए क्या हुआ? कानून व्यवस्था बिगड़ गई, हत्याएं हो रही हैं। गोलीबारी हो रही है। इसलिए, लोगों को लगता है कि अमित शाह कानून व्यवस्था को संभालने में असमर्थ हैं।

संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति गलत जानकारी न दें : डल्लेवाल

» गृहमंत्री शाह पर किसान नेता ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला (पंजाब)। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन मंगलवार को 22वें दिन में प्रवेश कर गया। बिगड़ती सेहत के बावजूद डल्लेवाल ने मंच से गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला। डल्लेवाल ने कहा कि एमएसपी को लेकर संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को गलत जानकारी नहीं देनी चाहिए।

डल्लेवाल ने कहा कि शाह कह रहे हैं कि किसानों को साढ़े तीन गुणा एमएसपी से बढ़कर रेट दिए जा रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि साल 2014 से लेकर अब तक मोदी सरकार के राज में गेहूं के रेट में केवल 825 रुपये की वृद्धि की है। यह 56 फीसदी की वृद्धि है। इसके मुकाबले खेती लागत 56.53 फीसदी तक बढ़ गई है। डल्लेवाल ने कहा कि इससे साफ है कि किसानों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है। अगर केंद्र की ओर से किसानों को एमएसपी से ज्यादा दिया जा रहा है, तो फिर एमएसपी की कानूनी गारंटी देने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। डल्लेवाल ने मंडियों में धान की खरीद न होने का मुद्दा उठाते इस पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं, उनके साथ केंद्र को जबर करने की बजाय मांगों को तुरंत स्वीकार करना चाहिए।

हाल जानने पहुंचे वड़िंग केंद्र सरकार पर बरसे

खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल का हालचाल जानने के लिए पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी पहुंचे। उन्होंने इस मौके पर डल्लेवाल की गिरती सेहत को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से किसानों की मांगों को तुरंत पूरा करने की मांग की। वडिंग ने कहा कि बार्डरों पर किसानों के साथ जो जबर हो रहा है, उससे मोदी सरकार का किसान विरोधी चेहरा सामने आता है। वड़िंग ने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। आगे भी इसी तरह से किसानों की मांगों को संसद में उठाया जाएगा।

18 दिसंबर को ट्रेंने रोकेंगे किसान

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी की ओर से 18 दिसंबर को दोपहर बारह बजे से तीन बजे तक रेल का चक्का जाम किया जाएगा। कमेटी के पंजाब प्रधान सुखविंदर सिंह सभरा व सतनाम सिंह पन्नू ने कहा कि पिछले दस माह से किसान जत्थेबंदियां दिल्ली के शंभू बॉर्डर व राजस्थान के रतनपुरा में आंदोलन कर रही हैं। केंद्र सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं कर रही है।

अभिनेता वरुण धवन को लीगल नोटिस

» आजाद अधिकार सेना ने लिया संज्ञान

» गृह मंत्री शाह को भारत के हनुमान कहने पर विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने अभिनेता वरुण धवन द्वारा कल एक निजी कार्यक्र म में गृह मंत्री अमित शाह को भारत के हनुमान कहे जाने के संबंध में लीगल नोटिस भेजा है।

अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर के माध्यम से भेजे अपने लीगल नोटिस में उन्होंने कहा कि स्वयं पर पूर्ण नियंत्रण रखना और भौतिक चीजों से पूरी तरह परे ब्रह्मचारी का जीवन जीना भगवान हनुमान की प्राथमिक अनिवार्य विशेषता है। इसके विपरीत अमित शाह के संबंध में उपलब्ध तथ्य इन बुनियादी विशेषताओं से मेल खाते नहीं दिखते हैं। अतः अमिताभ ठाकुर ने इसे आपत्तिजनक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताते हुए वरुण धवन से नोटिस के 7 दिनों के अंदर इस कथन के लिए क्षमा याचना करने अथवा इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की बात कही है।

जनता मांगे जवाब, कब दोगे हिसाब

» कांग्रेस 18 दिसम्बर को घेरेगी विधानसभा

» बीजेपी सरकार के कुशासन के खिलाफ आवाज उठाएगा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के कुशासन के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का घेराव करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश (पूर्वी) युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विशाल सिंह द्वारा लगाए गए पोस्टर से मिली है। लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विधानसभा घेराव से संबंधित पोस्टर्स लगाए गए हैं।

कांग्रेस की ओर से लगाए गए पोस्टर में प्रमुख रूप से लिखा गया है, जनता मांगे जवाब! कब दोगे हिसाब? और18 दिसंबर लखनऊ चलो। कांग्रेस के इस अभियान को योगी सरकार के खिलाफ विरोध का एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा सरकार ने पिछले कुछ साल में प्रदेश कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ दिया है, जनता को समय पर मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है। कांग्रेस का मानना है कि योगी सरकार के कुप्रबंधन से प्रदेश की जनता परेशान है और अब समय आ गया है कि सरकार से इसका जवाब लिया जाए।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सीएम योगी को चैलेंज देते हुए कहा है कि अगर हमारे कार्यकर्ताओं को कहीं भी प्रताड़ित किया गया तो हम सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। हमें ईडी और सीबीआई से डर नहीं लगता है।

प्रशासन रोके तो वहीं पर सड़क पर बैठ जाइए : अजय राय

अजय राय के मुताबिक यदि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को प्रशासन की तरफ से परेशान किया जाता है तो मौके पर ही घेराव कर दीजिए। वहीं पर प्रदर्शन कीजिए। जहां पर रोका जा रहा है, वहीं पर सड़क पर बैठ जाइए।

वीडियो में उजागर हो रहा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र रिश्वत ले रहे : सिद्धरमैया

» कर्नाटक के सीएम ने जारी किया वीडियो फुटेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने दावा कि एक वीडियो फुटेज में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के प्रमुख बी वाई विजयेंद्र पर आरोप लगा रहे हैं कि वह वक्फ अतिक्रमणों पर उनकी रिपोर्ट को दबाने के लिए उन्हें 150 करोड़ रुपये की 'रिश्वत' देने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के बयान से पहले मणिपदी ने रविवार को विजयेंद्र द्वारा रिश्वत की पेशकश किये जाने के आरोपों का खंडन किया था। इसकी जगह मणिपदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें रिश्वत देने का प्रयास किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने (मणिपदी ने) यह कहा है।

देखते हैं। इस मुद्दे को उठाया जाएगा और इस पर चर्चा की जाएगी। सिद्धरमैया ने इससे पहले शनिवार को एक बयान में कहा था कि मणिपदी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि जब बी एस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, उस दौरान विजयेंद्र उनके घर आए थे और वक्फ संपत्ति अतिक्रमण रिपोर्ट के बारे में चुप रहने के लिए 150 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी।

कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष के रूप में मणिपदी ने रिपोर्ट तैयार की थी और मार्च 2012 में तत्कालीन भाजपा सरकार को सौंपी थी। इसे 2020 में सदन में पेश किया गया, तब भी भाजपा सत्ता में थी।

जोरदार होगा दिल्ली का चुनावी जंग

आप ने सबको पीछे छोड़ मारी बाजी

» बीजेपी व कांग्रेस को मिलेगी तगड़ी चुनौती
» चुनावी मोड में आई पार्टी केजरीवाल डटे
» अब बस चर्चा यही 25 कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह दिल्ली में आप तैयारी कर रही है उससे तो कांग्रेस व भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी होने वाले हैं। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां भारतीय जनतस व कांग्रेस पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है।

इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है।

आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

भाजपा को देगी आप कड़ी चनौती

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव ल?ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

केजरीवाल पर हमले की है बीजेपी की रणनीति

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रामक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दु:ख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

कांग्रेस को करिश्मा या चमत्कार की उम्मीद

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

आप की नजर पूर्वांचली वोटरों पर

आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 70 सियासी सूरमाओं को दिल्ली के सत्ता संग्राम में उतार दिया है। बड़ी तैयारी पूर्वांचल से ताल्लुक रखने वाले मतदाताओं के सहारे जंग जीतने की है। जाट समुदाय के मतदाताओं को भी इसमें मददगार बनाया है। आप की सियासी सेना के 19 सेनानी इन्हीं दो तबकों से हैं। 10 महिला सेनानी आधी आबादी को साधने के लिए उतारी गई हैं। पार्टी ने पांच मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम प्रत्याशी ही उतारे हैं। असल में दिल्ली में बड़ी संख्या में पूर्वांचली मतदाता हैं। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से करीब 40 फीसदी वोट शेयर इसी समूह का है। 2013 में अपना सियासी सफर शुरू करने के साथ ही आप ने इनको तवज्जो दी थी। 2013, 2015 व 2020 के चुनावों में आप के दस से ज्यादा उम्मीदवार पूर्वांचल से ताल्लुक रखने वाले थे। इस बार भी पार्टी ने दांव मतदाताओं के इसी तबके पर लगाया है। 70 में से 12 प्रत्याशी पूर्वांचल से संबंध रखते हैं। वहीं, स्थानीय निवासियों व दिल्ली देहात की सीटों पर असरदार जाट समुदाय को भी आप ने अपनी लिस्ट में तवज्जो दी है। सात उम्मीदवार जाट समुदाय से हैं। दूसरी तरफ आधी आबादी को साधने के लिए आप ने इस बार करीब 15 फीसदी महिला प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनकी संख्या दस है। इसमें से सात उम्मीदवारों का नाम चौथी लिस्ट में शामिल है। दूसरी तरफ दिल्ली की मुस्लिम बहुल पांच सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। विधान सभा चुनावों के एलान से पहले पार्टी ने अपने सभी सियासी मोहरों को मैदान में उतार दिया है। आप रणनीतिकारों का कहना है कि अगर तयशुदा समय फरवरी में चुनाव होते हैं तो आप उम्मीदवारों को अपने प्रचार अभियान को धार देने में करीब दो महीने का वक्त मिल जाएगा। इस लिहाज से पार्टी विपक्षी भाजपा व कांग्रेस से अभी तक आगे रही है। दो बार पांच साल और एक बार 49 दिन के लिए सत्ता पर काबिज आप सत्ता विरोधी लहर को बेअसर करने के लिए बड़े बदलाव भी किए हैं।चौथी बार दिल्ली के सत्ता संग्राम में ताल ठोंक रही पार्टी के रणनीतिकारों ने अपने 20 विधायकों का टिकट काट दिया है। वहीं, दो की सीट बदली गई है। इसके अलावा चार ने पार्टी बदल ली है। बाकी सीटों पर पुराने चेहरों पर भरोसा जताया गया है। पहली लिस्ट आने के साथ ही आप ने स्पष्ट कर दिया था कि उन्हीं सीटों से टिकट काटे गए हैं, जहां के विधायकों को फीडबैक खराब था। ग्राउंड लेवल के सघन सर्वे के आधार पर इसकी पहचान की गई। आप ने चुनाव में पूरी ताकत से कदम रख दिया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम जनता के बीच जा रहे हैं। हम अगला पांच साल शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, और पानी पर हुए अच्छे कामों को और आगे बढ़ाने के लिए मांग रहे हैं। भाजपा अभी भी भ्रमित है। न उनके पास कोई मुद्दा है, न कोई नेता, और न ही दिल्लीवालों के लिए कोई उम्मीद। केजरीवाल ही उम्मीद हैं, और केजरीवाल ही भरोसा हैं।

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार ब?ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध हो!

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को पूरे देश में महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए नोटिस भेजा है। दरअसल,याचिकाकर्ताकी तरफ से अधिवक्ता ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने कहा हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि कोर्ट ने इसपर जनवरी में बहस करने की तारीख दी है। देख जाए तो यह एक जनता के लाभ के लिए उठाने वाली सराहनीय याचिका है। केंद्र व राज्य सरकारों को महिला सुरक्षा पर कुछ सख्त नियम कानून बनाने की आवयश्कता हे ताकि महिलाए व बच्चे सुरक्षित रह सकें। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों तथा उनसे संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की।

याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वुमन लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि वह याचिका में उल्लेख किए गए कई अनुरोधों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वे बर्बर और भयावह हैं, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो बहुत नए हैं और उनकी जांच की आवश्यकता है। न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में उचित व्यवहार बनाए रखने का सवाल विचार करने लायक मुद्दों में से एक है और बसों, मेट्रो और ट्रेनों में किसी को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है सार्वजनिक इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों में क्या करें और क्या न करें इसका प्रचार करने की जरूरत है। सार्वजनिक परिवहन में उचित सामाजिक व्यवहार के बारे में न सिर्फ शिक्षा दी जानी चाहिए, बल्कि इसे सख्ती से लागू करने की जरूरत है क्योंकि एयरलाइनों में भी कुछ अनुचित घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि कई मामलों में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। कड़े कानून और दंड का भी प्रावधान भी हैं, मगर क्या उन्हें लागू किया जा रहा है? इस पर पीठ ने कहा कि हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि नियम लागू होने में क्या कुछ कमी रह जा रही है। अदालत ने निर्देश दिया कि मंत्रालयों और उनके संबंधित विभागों को अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के माध्यम से नोटिस जारी किया जाए।

केंद्र व राज्य सरकारों को महिला सुरक्षा पर कुछ सख्त नियम कानून बनाने की आवयश्कता हे ताकि महिलाए व बच्चे सुरक्षित रह सकें। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कब होगी असली मुद्दों की बात?

संतोष पाठक

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो किस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है। हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है।

लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से

महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा-गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है। सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है? जिस देश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की कमी है, उस देश में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च सालाना एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा कैसे हो गया है ?

सरकारी अस्पताल में समय पर उचित और फ्री इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है? नौकरी तक का फॉर्म भरने के लिए बेरोजगार बच्चों से सैकड़ों-हजारों रुपए क्यों लिए जा रहे हैं? क्योंकि अगर आप जोड़ कर देखेंगी तो ये सभी खर्च मिलाकर आपको महिला सम्मान या लाडली बहना योजना के नाम पर मिलने वाली राशि से कई हजार गुना ज्यादा बैठ जाएगी।

नश्वर है बुराई की चमक मगर अच्छाई स्थायी

आखिर, यह भौतिकता की अंधी दौड़ कहीं तो खत्म होगी ही न? बुराई पर अच्छाई की जीत तो युगों से होती आई है। बस, हमें स्वयं को तलाशना होगा। आज फिर एक ऐसी प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जिसने अंतर्मन को शक्ति दी है। वह बोधकथा आपको दे रहा हूं- 'एक बार बुरी आत्माओं ने भगवान से शिकायत की कि उनके साथ इतना बुरा व्यवहार क्यों किया जाता है? अच्छी आत्माएं इतने शानदार महलों में रहती हैं और हम सब खंडहरों में? आखिर ये भेदभाव क्यों है, जबकि हम सब भी तो आप ही की संतानें हैं।

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज समाज बड़ी तेजी से भौतिकता की ओर दौड़ रहा है और उसे बुराई की चकाचौंध में अच्छाई की महत्ता भी नहीं दिखती। बड़ों ने कहा है कि भले ही बुराई की चमक तुरंत आकर्षित कर लेती है, किंतु वह होती है क्षणभंगुर ही, जबकि अच्छाई की चमक स्थायी होती है। मस्तमौला फक्कड़ कबीर तो धड़ल्ले से कह गया है-

'जो तोको कांटा बुवे, ताहि बाऊ तो फूल।
तोको फूल के फूल हैं, वाको हैं तिरसूल।'

आज जाने क्यों, समाज थोथी चमक-दमक के पीछे पागल की तरह अंधी दौड़ में खुद को भी भूलता जा रहा है। धोखाधड़ी, बेईमानी और मक्कारी समाज में बढ़ी है और सज्जनता बहुत कम दिखाई देती है। आखिर, यह भौतिकता की अंधी दौड़ कहीं तो खत्म होगी ही न? बुराई पर अच्छाई की जीत तो युगों से होती आई है। बस, हमें स्वयं को तलाशना होगा। आज फिर एक ऐसी प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जिसने अंतर्मन को शक्ति दी है। वह बोधकथा आपको दे रहा हूं- 'एक बार बुरी आत्माओं ने भगवान से शिकायत की कि उनके साथ इतना बुरा व्यवहार क्यों किया जाता है? अच्छी आत्माएं इतने शानदार महलों में रहती हैं और हम सब खंडहरों में? आखिर ये भेदभाव क्यों है, जबकि हम सब भी तो आप ही की संतानें हैं।

भगवान ने उन्हें समझाया- 'मैंने तो सभी को एक जैसा ही बनाया है, पर तुम ही अपने कर्मों से बुरी आत्माएं बन गयी हों। सो वैसा ही तुम्हारा घर भी हो गया।' भगवान के समझाने पर भी बुरी आत्माएं भेदभाव किये जाने की शिकायत करती रहीं और उदास होकर बैठ गयी। इस पर भगवान ने कुछ देर सोचा और सभी अच्छी-बुरी आत्माओं को बुलाया और बोले, 'बुरी आत्माओं के अनुरोध पर मैंने एक निर्णय लिया है। आज से तुम लोगों को रहने के लिए मैंने जो भी महल या खंडहर दिए थे, वो सब नष्ट हो जायेंगे और अच्छी और बुरी आत्माएं अपने-अपने लिए दो अलग-अलग नगरों का निर्माण नए तरीके से स्वयं करेंगी।' तभी एक आत्मा बोली, 'लेकिन इस नगर निर्माण के लिए हमें ईंटें कहां से मिलेंगी?'

भगवान बोले, 'जब पृथ्वी पर कोई इंसान अच्छा या बुरा कर्म करेगा, तो यहां पर उसके बदले में ईंटें तैयार हो जाएंगी। सभी ईंटें मजबूती में एक समान होंगी। अब ये तुम लोगों को तय करना है कि तुम अच्छे कार्यों से बनने वाली ईंटें लोगे या बुरे कार्यों से बनने वाली ईंटें लेना चाहोगे?!' बुरी आत्माओं ने सोचा, पृथ्वी पर बुराई करने वाले अधिक लोग हैं, इसलिए अगर उन्होंने बुरे कर्मों से बनने वाली ईंटें ले लीं, तो एक विशाल नगर का निर्माण जल्दी हो सकता है।

बस, उन्होंने भगवान से बुरे कर्मों से बनने वाली ईंटें मांग लीं। दोनों नगरों का निर्माण एक साथ शुरू हुआ, पर कुछ ही दिनों में बुरी आत्माओं का नगर वहां रूप लेने लगा, क्योंकि उन्हें लगातार ईंटों के ढेर के ढेर मिलते जा रहे थे और उससे उन्होंने एक शानदार महल बहुत जल्द बना भी लिया। वहीं अच्छी आत्माओं का निर्माण धीरे-धीरे चल रहा था। काफी दिन बीत जाने पर भी उनके नगर का केवल एक ही हिस्सा बन पाया था। कुछ दिन और ऐसे ही बीते। फिर एक दिन अचानक एक अजीब-सी घटना घटी। बुरी आत्माओं के नगर से ईंटें गायब होने लगीं दीवारों से, छतों से, इमारतों की नीवों से, हर जगह से ईंटें गायब होने लगीं और देखते ही देखते उनका पूरा नगर खंडहर का रूप लेने लगा। परेशान आत्माएं तुरंत भगवान के पास भागीं और पूछा, 'हे प्रभु! हमारे महल से अचानक ये ईंटें क्यों गायब होने लगीं? हमारा महल और नगर तो फिर से खंडहर बन गया है?'

भगवान मुस्कुराये और बोले, 'ईंटें गायब होने लगीं! अच्छा! दरअसल जिन लोगों ने बुरे कर्म किए थे, अब वे उनका परिणाम भुगतने लगे हैं अर्थात? अपने बुरे कर्मों से उबरने लगे हैं। उनके बुरे कर्म और उनसे उपजी बुराइयां नष्ट होने लगी हैं। सो उनकी बुराइयों से बनी ईंटें भी नष्ट होने लगी हैं। आखिर को जो आज बना है, वह कल नष्ट भी तो होगा ही। अब किस की आयु कितनी होगी, ये तो अलग बात है।' इस प्रकार बुरी आत्माओं ने अपना सिर पकड़ लिया और सिर झुका के वहां से चली गईं। सच यही है कि बुराई और उससे होने वाला लाभ बढ़ता तो बहुत तेजी से है, परंतु नष्ट भी उतनी ही तेजी से होता है। वहीं सच्चाई और अच्छाई से चलने वाले धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं, पर उनकी सफलता स्थायी होती है। इस बोधकथा से यही सीख मिलती है कि हमें सदैव सच्चाई की बुनियाद पर सफलता की इमारत खड़ी करनी चाहिए। झूठ और बुराई की बुनियाद पर तो बस खंडहर ही बनाये जा सकते हैं, जिनकी चमक क्षणभंगुर ही होगी।

'चमक बुराई की क्षणिक, थोड़ा सा भरमाय।
अच्छाई रहती सदा, यश औ' मान दिलाय।'

ब्लड शुगर

इन योगासनों से रहेगा नियंत्रित

उच्च रक्त शर्करा यानी हाई ब्लड शुगर का स्तर स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। इसका सही नियंत्रण न होने पर यह कई दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। ब्लड शुगर लेवल बढ़ने से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक उच्च ब्लड शुगर का स्तर रहने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही हाई ब्लड शुगर के कारण धमनियों में प्लाक जमने का खतरा होता है, जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक, और उच्च रक्तचाप की आशंका भी रहती है। इसके अलावा किडनी फेलियर की स्थिति, नर्व डैमेज, आंखों के रेटिना को नुकसान पहुंचना समेत कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इस गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए हाई ब्लड शुगर के स्तर को कम करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए अच्छी लाइफस्टाइल और उचित खानपान के साथ ही कुछ योगासनों का अभ्यास बेहतर तरीका हो सकता है। योग एक प्राकृतिक तरीका है जो न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाए रखता है।

वृक्षासन

वृक्षासन शारीरिक तनाव दूर करने के साथ ही एकाग्रता में सुधारता करता है। साइटिका की समस्या से राहत दिलाता है और ब्लड शुगर के स्तर को काबू में रखता है। वृक्षासन न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको स्वस्थ रखता है। वृक्षासन का अभ्यास करने से दिमाग को तेज करने में मदद मिलती है। आप स्वाभाविक रूप से ध्यान और एकाग्रता का निर्माण कर सकते हैं। आपके मानसिक प्रदर्शन में काफी सुधार होता है। इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े होकर दोनों पैरों के बीच लगभग 3 इंच की दूरी रखें। सांस छोड़ते हुए दाएं पैर को मोड़कर पंजे को बाई जांघ के पिछले हिस्से पर रखें। आंखों के समांतर किसी बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें। अब सांस भरते हुए शरीर को ऊपर की ओर खींचें और दोनों हाथों को आसमान की ओर ले जाएं व नमस्कार की तरह जोडें।

पश्चिमोत्तानासन

उच्च रक्त शर्करा के स्तर को काबू में रखने के लिए पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास भी फायदेमंद हो सकता है। इस आसन के अभ्यास से पाचन में सुधार होता है। इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है और रक्त में ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। पश्चिमोत्तनासन दिमाग को शांत रखता है और स्ट्रेस और हल्के फुल्के डिप्रेशन को दूर भगाता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आपको एक मैट पर बैठ जाना है। उसके बाद आपको अपने पैर आगे तक पूरी तरह एक्सटेंड करने होते हैं। ध्यान रखें कि आपके पैर कहीं से भी मुड़े हुए न हो। फिर अपने हाथों को ऊपर की तरफ बिना मोड़ें खोलें और अपने पैरों के अंगूठों तक लेकर जाएं। ध्यान रखें कि आपकी पूरी पीठ आपके पैरों पर झुकी हुई हो। ऐसे ही कुछ क्षणों के लिए रहें और अपने हाथों को फिर वापिस ऊपर की ओर लेकर जाएं। और 20 से 30 सेकेंड तक इसी स्थिति में बने रहें।

हलासन

इस आसन के अभ्यास से पाचन तंत्र उत्तेजित होता है और थायरॉयड व पैराथायरॉयड ग्रंथियों के कार्य में सुधार आता है, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है। हलासन के अभ्यास के लिए अपनी बाजुओं को अपने शरीर के बगल में रखें, हथेलियां नीचे की ओर रखें। अपने पैरों को फर्श से 90 डिग्री के कोण तक उठाएं। ऐसा करते हुए अपने कूल्हों को जमीन से ऊपर उठाने के लिए अपने पेट की मांसपेशियों का उपयोग करें। अपने पैरों को ऊपर की ओर लाएं। जैसे ही आपके पैर आपके सिर से आगे बढ़ें, अपनी पीठ को अपने हाथों से सहारा दें।

धनुरासन

यह आसन शरीर के मुख्य अंगों, विशेषकर अग्न्याशय (पैंक्रियाज) को सक्रिय करता है, जो इन्सुलिन के उत्पादन में सुधार लाने में मदद करता है। जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अभ्यास से टाइप 1 और टाइप 2 दोनों ही तरह की डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। धनुरासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। अब दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर हाथों से पकड़ें और शरीर को धनुष की तरह खींचें। इस स्थिति को 20-30 सेकंड तक बनाए रखें। लेकिन कुछ खास तरह की समस्याओं में इस आसन को करने की मनाही होती है वरना ये उन परेशानियों को और ज्यादा बढ़ा सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू- मेरे बाप के आगे बड़े-बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते है, लड़की- अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू- पानी पूरीवाला।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की- तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु - है न तभी तो देख रहा हूं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

जरुरत से ज्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो लेने के देने पड़ जायेंगे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

शराबी- अगर मेरे हाथ में सरकार होती तो मैं देश की तकदीर बदल देता। शराबी की पत्नी- अरे, पहले अपना पाजामा तो बदल ले करम जले, सुबह से मेरी सलवार पहन कर घूम रहा है...

कहानी | बूढ़ा आदमी, युवा पत्नी और चोर

एक गांव में सूरज नाम का किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। किसान बूढ़ा था, लेकिन उसकी पत्नी जवान थी। इसी वजह से किसान की पत्नी दुखी रहती थी। वो हमेशा अपने ही जैसे जवान पुरुष से शादी करने की चाहत मन में रखती थी। महिला के मन की बात को एक चोर समझ गया। एक दिन उसने किसान की पत्नी को एक झूठी कहानी सुनाई। चोर ने कहा कि सालों पहले मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई थी। अब मैं अकेला हूं। मैं तुम्हारी सुंदरता पर मोहित हो गया हूं और तुम्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहता हूं। स्त्री यह सुनते ही खुश हो गई। वो फटाफट बोली कि ठीक है मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, लेकिन मेरे पति के पास बहुत धन है। पहले मैं उसे ले आती हूं। उन पैसों से हम जीवनभर आराम से रहेंगे। यह सुनकर चोर ने कहा कि ठीक है तुम जाओ और लौटकर इसी जगह आना मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा। स्त्री घर पहुंची, तो देखा कि पति गहरी नींद में था। महिला ने सारे जेवर और नकदी को पोटली में बांधा और चोर के पास चली गई। उसके पहुंचते ही दोनों दूसरे शहर की ओर निकल गए। कुछ दूर चलने के बाद रास्ते में एक नदी मिली। नदी को देखते ही चोर को एक तरकीब सूझ गई। वह महिला से बोला कि देखो, नदी गहरी है। इसे मैं तुम्हें पार करवाऊंगा, लेकिन पहले मैं यह पोटली नदी के उस पार रखूंगा फिर तुम्हें साथ ले जाऊंगा। स्त्री को चोर पर पूरा विश्वास था उसने कहा कि हां, ऐसा करना ठीक रहेगा। फिर चोर ने कहा कि देखो, तुमने भारी जेवर पहने हैं। ये जेवर भी तुम मुझे दे दो, ताकि तुम्हें नदी पार करने में कोई बाधा न हो। यह सुनते ही किसान की पत्नी ने अपने सारे जेवर चोर को दे दिए। पोटली लेकर चोर नदी के पार चला गया। महिला उसके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वो फिर कभी लौट कर नहीं आया। अब महिला को बहुत दुख हुआ और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, लेकिन पछतावे के लिए तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसका सारा पैसा और जेवर लेकर चोर जा चुका था।

7 अंतर खोजें

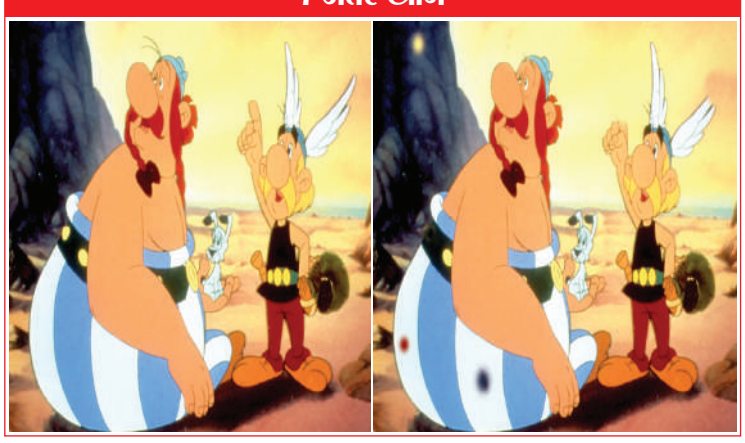

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन आज अचानक व्ययवृद्धि बढ़ने से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

कर्क कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। आय बनी रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सिंघम फ्रेंचाइजी में काम मिलने का श्रेय सीआईडी को जाता है : दयानंद

सीआईडी का नया सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। इस बार फिर से दर्शकों को दया के रूप में दयानंद शेट्टी का पसंदीदा किरदार देखने को मिलेगा। अपने जन्मदिन के मौके पर दयानंद शेट्टी ने नए सीजन के बारे में अपने विचार साझा किए, बल्कि अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा सीआईडी शो 21 वर्षों तक अपने समय से आगे था। अब जब अपराध अधिक हाईटेक हो गए हैं, तो हमें भी अपनी जांच के तरीके में बदलाव लाना पड़ा है। शो का फ्लेवर वही रहेगा, लेकिन अब हम अपराधियों के नए तरीकों के हिसाब से जांच करेंगे। शेट्टी ने कहा पहले लंबे शॉट्स होते थे, लेकिन अब तकनीकी विकास के साथ फिल्मांकन और कहानी कहने के तरीके में काफी बदलाव आया है। अब सब कुछ बहुत ज्यादा आधुनिक हो गया है, जिससे शूटिंग और एपिसोड्स की गति भी तेज हो गई है। मेरी पहली फिल्म जॉनी गद्दार थी, जिसमें मैंने सीआईडी के दौरान काम किया था। अजय देवगन के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। सिंघम फ्रेंचाइजी में काम मिलने का श्रेय सीआईडी को जाता है, क्योंकि मेरे किरदार की लोकप्रियता के कारण ही मुझे ये फिल्में मिलीं। दया दरवाजा तोड़ एक साधारण सी लाइन थी, लेकिन यह बहुत लोकप्रिय हो गई। फिल्म में यह लाइन रोहित शेट्टी की सोच का नतीजा थी। सिंघम रिटर्न्स में अजय देवगन ने यह लाइन बोली थी और सिंघम अगेन में करीना कपूर ने। रोहित शेट्टी का दृढ़ विश्वास था कि इस लाइन पर लोग तालियां बजाएंगे। उन्होंने कहा, लोग सीआईडी के वीडियो पर डब करके मीम्स बनाते हैं और यह दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। मुझे अच्छा लगता है कि लोग इस शो को इतना पसंद करते हैं और इस शो के जरिए वे अपनी यादों को ताजा करते हैं। बहुत से लोग हमसे मिलते हैं और अपने शानदार बचपन के लिए हमें धन्यवाद देते हैं। लोगों को हंसी से भरे ये मीम्स अच्छे लगते हैं और हमें भी यह देखकर अच्छा लगता है कि लोगों में यह शो कितना ज्यादा लोकप्रिय है।

जाकिर हुसैन स्मृति शेष...

वाह उस्ताद! अपने संगीत से बनाई दुनिया में पहचान

जाकिर हुसैन को तबला वादन का उस्ताद माना जाता है। भारत के इस मशहूर सितारे ने संगीत की दुनिया को अलविदा कह दिया। सोमवार को सैन फ्रांसिस्को के अस्पताल में फेफड़े की बामारी इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस के चलते उनका निधन हो गया। वे 73 वर्ष के थे।

60 साल से अधिक दिया संगीत में योगदान

उस्ताद जाकिर हुसैन को पूरी दुनिया में एक शानदार कलाकार के रूप में जाना जाता था। उन्होंने संगीत की दुनिया में 60 साल संगीत में योगदान दिया है। तालवादक ने अपने प्रदर्शनों की सूची जैज और संगीत कार्यक्रमों सहित विभिन्न शैलियों और विधाओं में संगीत रचा।

सात साल की उम्र में किया पहला कार्यक्रम

उस्ताद जाकिर हुसैन ने सात साल की उम्र में अपना पहला कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने 12 साल की उम्र में दुनिया भर में दौरे करना शुरू कर दिया। मास्टर्स ऑफ़ पर्क्यूशन, प्लैनेट ड्रम और मिकी के साथ ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट में भी अपना योगदान दिया।

तीन बार मिला ग्रैमी पुरस्कार

उस्ताद जाकिर हुसैन को सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रदर्शन और सर्वश्रेष्ठ समकालीन वाद्य एल्बम के लिए तीन ग्रैमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारत के पहले संगीतकार बने। जाकिर हुसैन को लेकर लेखिका नसरीन मुन्नी कबीर के साथ बातचीत में कहा कि उनकी पुस्तक जाकिर हुसैन ए लाइफ इन म्यूजिक में लिखा गया है। जाकिर हुसैन ने कहा कि एक निजी समारोह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम या शादियां ऐसी जगहें नहीं हैं जहां संगीत सुना जाना चाहिए।

27 दिसंबर को रिलीज होगा सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' का टीजर

सलमान खान अपने 59वें जन्मदिन पर एक भव्य जश्न की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने एलान के बाद से ही लाइमलाइट में है। इसी बीच फिल्म का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। निर्माता इसका पहला टीजर और पोस्टर जारी करने वाले हैं। वहीं, उन्होंने इसके लिए एक खास तारीख भी सोच रखी है।

सिकंदर में सलमान खान के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग अंतिम चरण में है। टीम का लक्ष्य जनवरी 2025 तक शूटिंग पूरी करना है। इसी बीच निर्माताओं ने सलमान खान के 59वें जन्मदिन पर यानी कि 27 दिसंबर को सिकंदर का पहला टीजर और पोस्टर जारी करने की योजना बनाई है।

जानकारी के अनुसार, टीजर को विशेष रूप से सलमान खान के जन्मदिन के लिए कट किया गया है और यह भव्यता, रोमांचक एक्शन और फुल टू एंटरटेनमेंट का वादा करता है। संपादन पूरे जोरों पर है और प्रशंसक एक पावर-पैक टीजर की उम्मीद कर सकते हैं, जो इस मेगा रिलीज के लिए माहौल तैयार करेगा।

टीजर का बैकग्राउंड स्कोर संतोष नारायणन द्वारा बनाया गया है, जिन्हें कल्कि 2898 एडी में अपने काम के लिए जाना जाता है। टीजर न केवल प्रशंसकों को फिल्म की एक झलक देगा बल्कि एक भव्य प्रचार अभियान की शुरुआत भी करेगा। ईद 2025 की रिलीज के साथ, टीम के पास बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें कुछ बेहतरीन गाने और एक दिलचस्प ट्रेलर शामिल है।

सिकंदर 2014 की ब्लॉकबस्टर किक के बाद सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला के नए सहयोग का प्रतीक है। एक बार सिकंदर की शूटिंग पूरी हो जाने के बाद बाद, सलमान एटली द्वारा निर्देशित ए-6 पर काम शुरू करेंगे, जिसका फिल्मांकन 2025 की गर्मियों में होगा। इस बीच, साजिद नाडियाडवाला अगले साल अन्य प्रमुख रिलीज में भी व्यस्त हैं, जिसमें अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल-5 और टाइगर श्रॉफ के साथ बागी 4 शामिल है।

अजब-गजब | जहरीले जानवर की वजह से दहशत में रहते हैं लोग

यहां रात में घर से बाहर नहीं निकलते लोग!

उत्तर 24 परगना: पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के एक गांव में सांपों का डर इस कदर बढ़ गया है कि अब लोग शाम होते ही अपने घरों से बाहर नहीं निकलते। पूरे गांव में सांपों का डर इस कदर छाया हुआ है कि ऐसा लगता है जैसे पूरा गांव सांपों का घर बन चुका हो! पिछले कुछ दिनों में गांव के लगभग 20-25 लोग सांपों के काटे जा चुके हैं। वहीं, 21वीं सदी में भी गांव में कई लोग आधुनिक दवाइयों से मुंह मोड़कर अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। इस बीच, तंत्र-मंत्र करने वाले ओझा भी अपनी संख्या बढ़ा रहे हैं, जो गांववालों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। बता दें कि हालांकि पहले की तुलना में कुछ बदलाव जरूर आए हैं, लेकिन हालात अब भी अच्छे नहीं हैं। यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के मटिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कचुआ ग्राम पंचायत के गोबिला क्षेत्र में हुई। पिछले साल, मानसून के बाद सांप के काटने से तीन लोग, जिनमें एक बच्चा भी था, की मौत हो गई थी। इस साल, एक और व्यक्ति की मौत सांप के काटने से हो चुकी है। यहां के लोग समय-समय पर जहरीले सांपों को देखते रहते हैं। 20 से 25 लोग अब तक सांप के काटे जा चुके हैं। गोबिला गांव के लोग शाम होते ही घरों से बाहर निकलने में डर महसूस करते हैं।

इस डर ने पूरे गांव को आतंकित कर दिया है। लोग सांप के डर से अपना रोज़मर्रा का जीवन सही से नहीं जी पा रहे हैं। कई सांप पहले ही पकड़कर वन विभाग को सौंपे जा चुके हैं। अब गांववालों का मुख्य उद्देश्य सांप के डर को खत्म करना और सामान्य जीवन की ओर लौटना है। गांववालों का कहना है कि सांप के डर से वे रात में घरों से बाहर नहीं निकल पाते। इसलिए, उन्होंने सड़कों पर स्ट्रीट लाइट्स लगाने की मांग की है। इस घटना की रिपोर्ट बसीरहाट ब्लॉक 2 पंचायत समिति के खाद्य अधिकारी बुलबुल इस्लाम ने दी, जिन्होंने बताया कि लोगों में इलाज के लिए अस्पताल जाने के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा, वन विभाग से लगातार संपर्क किया जा रहा है। कुछ दिनों में सड़क पर लगे बिजली के खंभों पर लाइट्स लगाई जाएंगी।

गांववाले अब इस समस्या का हल निकलने का इंतजार कर रहे हैं। उनका सवाल यह है कि आखिरकार कब तक लोग इस सांप के डर से बाहर निकल पाएंगे और सामान्य जीवन की ओर लौटेंगे।

इस जानवर के होते हैं दो सिर! नाम जानकर हो जाएंगे हैरान

हमारी धरती आश्चर्यों से भरी पड़ी है, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। इनमें पेड़-पौधों से लेकर जानवर तक शामिल हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। हमारे आस-पास ही कई ऐसे जानवर देखने को मिल जाते हैं, जिनके बारे में ज्यादातर लोग बिल्कुल नहीं जानते। चाहे पक्षी हों या जानवर, सभी जैव विविधता का हिस्सा हैं। इस वजह से प्रकृति के प्रति लोगों की रुचि कभी कम नहीं होती। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे जानवर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके दो सिर होते हैं। क्या आपने कभी दो सिर वाले इस जानवर को देखा है? ये धरती का इकलौता जानवर है, जिसके दो सिर होते हैं। इसके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी। दरअसल, हाल ही में दो सिर वाले इस जीव को पेड़ के तनों से कीड़े खाते हुए देखा गया, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसे देखने के बाद इंटनेट पर काफी हंगामा मच गया। कुछ लोग मानने को तैयार नहीं है कि ऐसा कोई जीव होता है। ब्यूटेनगेबिडेन नाम के अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया गया था। वीडियो में एक अजीब सा विशालकाय जानवर कीड़े-मकोड़े खाता हुआ नजर आ रहा है। यूं तो कई जानवर कीड़े खाते हैं, लेकिन इस जीव की बनावट थोड़ी अजीब और दो सिर वाली लगी। वीडियो देखने के बाद पहली बार में लोगों को लगा कि इसमें खास क्या है? लेकिन थोड़ी ही देर में उन्हें समझ आ जाता है कि वीडियो में यह जानवर अपने दो सिर के साथ कीड़े-मकोड़ों को खा रहा है। इस अद्भुत नजारे को देखकर हर कोई हैरान रह गया। लोगों के जेहन में पहला सवाल यह उठा कि ये जानवर है कौन सा? ऐसे में बता दें कि इसका नाम एंटईटर है, जिसके शरीर पर दो सिर हैं। इस जीव के बारे में किसी को नहीं पता होने के कारण सभी के मन में संशय पैदा हो गया है। बता दें कि यह चींटीखोर दोनों सिरों से खाना खाता है। हालांकि, सारे चींटीखोर दो सिर वाले नहीं होते, लेकिन ज्यादातर के दो सिर होते हैं। वीडियो की शुरुआत में ऐसा लगता ही नहीं है कि इस जानवर के दो सिर हैं, जब वो अपने सिर को झुकाकर खाने में व्यस्त है। लेकिन जैसे ही वो अपने सिर को ऊपर की तरफ उठाता है, साफ नजर आने लगता है कि वो दोनों ही सिरों से खाना खा रहा है। इस नजारे को देखने के बाद आप भी यही कहेंगे कि वाकई में हमारी धरती अजूबों से भरी पड़ी है।

देश के सबसे खर्चीले सीएम हैं नीतीश कुमार : तेजस्वी

» राजद नेता बोले-बिहार में अधिकारियों को है लूट की छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुपौल। बिहार को गरीब और बीमारू राज्य बताने वाले सीएम नीतीश कुमार अपने 15 दिनों की यात्रा में दो अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च करने वाले हैं। यह पैसा जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स से वसूला गया है। लेकिन बिहार में अधिकारियों के लिए यात्रा के नाम पर लूट को खुली छूट दी जा रही है। वास्तव में नीतीश देश के सबसे खर्चीले सीएम हैं। यह बातें बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सुपौल के जिला अतिथि गृह में कही।

तेजस्वी यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेने सुपौल पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि अपनी ही जनता से मिलने के लिए जितना नीतीश कुमार खर्च कर रहे हैं, उतना किसी सीएम ने नहीं किया। तेजस्वी ने 2025 में बिहार में महागठबंधन की सरकार का दावा किया। कहा कि सरकार बनते ही माई-बहिन मान योजना लागू होगी। इस योजना के तहत हर महिला को प्रति माह 2500 रुपए देंगे। राज्य के सभी लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन भी 400 से बढ़ा कर 1500 करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि हम बिहार की हर महिला को सक्षम बनाना चाहते हैं। महिलाओं के जेब में सीधा पैसा जाएगा तो इसका उपयोग वह परिवार की भलाई में करेंगी। समृद्ध महिला, सुखी परिवार का सपना सच होगा। बतौर उप मुख्यमंत्री 17 महीने के पिछले कार्यकाल में मैंने अपना वादा पूरा किया था।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब दिलाएंगे सीएम

तेजस्वी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना कराकर हमने 75 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। लेकिन भाजपा के आते ही आरक्षण समाप्त कर दिया गया। 16 फीसदी का नुकसान हुआ है। लेकिन राजद आरक्षण लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से सरकार से ल? रही है। कहा कि अभी केंद्र और राज्य में एनडीए की सरकार है, लेकिन बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल रहा है। इस पर मुख्यमंत्री जी कुछ नहीं बोल रहे हैं। सीएम को बताना चाहिए कि दर्जा कब मिलेगा।

सरकार को हर मोर्चे पर विफल हो गई है

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने परीक्षाओं के पेपर लीक का मुद्दा उठाया और सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। कहा कि निर्दोष छात्रों पर नीतीश सरकार लाठियां बरसाती है। उनकी आवाज दबाई जा रही है। विधानचुनाव को लेकर तेजस्वी ने कहा कि 2025 में सरकार बनी तो माई-बहिन मान योजना लागू करेंगे। इसके तहत माताओं के बैंक खाते में हर माह 2500 की राशि दी जाएगी। सरकार बनते ही हम एक महीने के अंदर इस योजना को शुरू कर देंगे।

तेजस्वी ये भी बताएं 15 साल में उनके माता-पिता बिहार को कहां ले गए थे : ललन सिंह

पटना। बिहारशरीफ के श्रम कल्याण केंद्र मैदान में रविवार को जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान ललन सिंह ने कहा कि याद कर लीजिए 2005 से पहले का बिहार कैसा था। बिहार में अपहरण का उद्योग, गुंडों का राज कायम था। वहीं आज पूरे बिहार में विकास के कार्य, गरीबों की कल्याणकारी योजनाओं का डंका बज रहा है। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि मेरी सरकार बनी तो महिलाएं को पेंशन समेत कई तरह की योजनाएं लाएंगे।हम उनको कहना चाहते है कि गांव देहात में आज भी एक कहावत है कि सिक्का डाल कर लोग दही जमाते हैं और उसके नीचे खड़ी बिल्ली सोचती है कि दही गिरेगा और हम सब कुछ चट कर जाएंगे। बिहार में अब ऐसा नहीं होने वाला है। नीतीश कुमार के कारण एक-दो बार मौका मिल गया था, लेकिन अब बटेर के हाथ में बिहार को नहीं जाने देंगे। लालू के राज में मुख्यमंत्री आवास से मोटा रकम लेकर अपहरण का कारोबार और ट्रांसफर पोस्टिंग का काम होता था।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में सुनवाई टली

» अगली सुनवाई दो जनवरी को

» राहुल पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में एमपीएमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई दो जनवरी को होगी।

राहुल गांधी पर बंगलुरु में तत्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। सोमवार को परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र से जिरह होनी थी लेकिन पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तिथि नियत की गई है।

यूपी महोत्सव में लोगों ने जमकर उठाया आनंद

» 2024 में आरबीआई पवेलियन का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 17वें यूपी महोत्सव 2024 की द्वितीय संध्या में पहली बार कई नए झूलों ने अपनी छटा बिखेरी, फूड जोन में जनता ने व्यंजनों का लुत्फ उठाया। लोगों ने, शॉल स्वेटर, ड्राई फ्रूट, फर्नीचर, व कालीन की में लोगों ने खरीदारी की । महोत्सव की संध्या पर आरबीआई क्षेत्रीय निर्देशक पंकज कुमार, महाप्रबंधक श्रीमती सोनाली दास और उप महाप्रबंधक सुनील कुमार दास का आगमन हुआ।

संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एनबी सिंह ने फोलगुच्छ देकर उन्हें सम्मानित किया तत्पश्चात क्षेत्रीय निर्देशक पंकज कुमार एवं महाप्रबंधक श्रीमती सोनाली दास द्वारा आरबीआई पवेलियन का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।यूपी महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में आज एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बाराबंकी से आए ग्रुप द्वारा अपने नृत्य एवं गायन से सबका मन मोह लिया तथा सभी को अपनी प्रस्तुति से अभिभूत कर दिया। मयंक तिवारी, तस्फीया फातिमा, सपना, अर्जुन, नैतिक, आयुष, मानसी ने जबरदस्त लोकगीतों की प्रस्तुति दी।

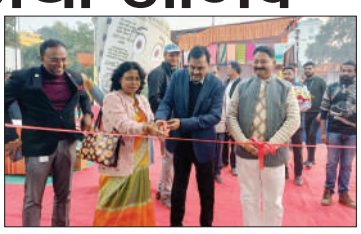

नगर निगम सफाई कर्मियों में चल रहा बड़ा फर्जीवाड़ा

» लॉयन कंपनी का खेल, पूरे नगर निगम में सफाई का ठेका

» धरातल पर सफाई कर्मचारी नदारद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में छोटे स्तर पर काम शुरू करने वाली लॉयन कंपनी ने अपना जाल पिछले दशक से ऐसा बिछाया कि सफाई कर्मी उपलब्ध कराने के लिए लखनऊ के आठो जोनों में कोई ऐसा जोन नहीं बचा जहां लायन कंपनी के कर्मचारी तैनात ना हों।

इस कम्पनी के फाउंडर ने अपने रिश्तेदार और सहयोगियों के रूप में कई अन्य फर्म में बना ली और भिन्न-भिन्न फर्मों पर कर्मचारी आवंटित करा लिए जिसका बंदरबांट बीते कई सालों से नगर निगम लखनऊ में किसी से छुपा नहीं रहा। सफाई श्रमिक धरातल पर संख्या में कुछ और होते थे कागजों में कुछ और होते थे। बीते एक सप्ताह से कर्मचारी दिन रात एक करके डाटा संग्रहित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन फर्मों द्वारा पूर्ण रूप से कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से सबसे अधिक सफाई कर्मचारी लायन सिक्योरिटी व उनके सहयोगी फर्मों के पास कर्मी तैनात है। सूत्र बताते है पहले तो कर्मचारियों को सिर्फ संख्या मे थे हकीकत मे नही पर अब फर्जी कर्मचारियों का डेटा एकत्रित कर कर्मचारी दिखाया जा रहा है।

नगर आयुक्त के आदेश का भी मखौल

नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सफाई श्रमिकों के फर्जी वाड़े पर रोकथाम लगाने के लिए ई वेतन पोर्टल पर कर्मचारियों का डाटा फीड करने का बीड़ा उठाया था। बीते सप्ताह सख्त आदेश दिए की सफाई कर्मचारियों का वेतन तभी आहरित होगा जब सफाई निरीक्षकों से लेकर जोनल अधिकारी एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी तथा मुख्य एवं वित्त लेखा अधिकारी और संबंधित अधिकारी कर्मचारी पूर्ण रूप से ई वेतन पोर्टल पर कर्मचारियों के डाटा को अपलोड कर देंगे।

भारत पर बढ़ा फॉलोऑन का खतरा

» फॉलोऑन से बचने के लिए अभी भी 66 रन की जरूरत

» बारिश की वजह से रुका खेल, भारत 180/6

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम की पहली पारी जारी है।

बारिश की वजह से फिर से खेल को रोका गया है। अभी कुछ देर पहले लंच ब्रेक के दौरान बारिश हुई थी, जिसकी वजह से मैच को रोका गया था। भारत ने छह विकेट गंवाकर 180 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा ने टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने बैट को तलवारबाजी वाले अंदाज में लहराकर जश्न मनाया। इस सीरीज में यह जडेजा का पहला मैच है और पहली पारी में ही उन्होंने अर्धशतक जमा दिया। इससे पहले पर्थ में सुंदर और एडिलेड में अश्विन खेले थे। जडेजा के रन बनाने से भारत का लोअर ऑर्डर मजबूत हुआ है। फॉलोऑन से बचने के लिए टीम इंडिया को अब 66 रन की जरूरत है। जडेजा के साथ नीतीश रेड्डी क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। लंच ब्रेक के दौरान ही गाबा में तेज बारिश होने लगी। इस वजह से मैच को कुछ देर और रोका गया। हालांकि, अब कवर्स हटाए जा रहे हैं। सुपरसोपर्स अपना काम कर रहे हैं। थोड़ी देर में मैच की फिर से शुरुआत हो सकती है।

जडेजा का अर्धशतक

रवींद्र जडेजा ने टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने बैट को तलवारबाजी वाले अंदाज में लहराकर जश्न मनाया। इस सीरीज में यह जडेजा का पहला मैच है और पहली पारी में ही उन्होंने अर्धशतक जमा दिया। इससे पहले पर्थ में सुंदर और एडिलेड में अश्विन खेले थे। जडेजा के रन बनाने से भारत का लोअर ऑर्डर मजबूत हुआ है। भारत का स्कोर फिलहाल छह विकेट पर 180 रन से ज्यादा है। फॉलोऑन से बचने के लिए टीम इंडिया को अब 66 रन की जरूरत है। जडेजा के साथ नीतीश रेड्डी क्रीज पर हैं।

विधानसभा सत्र की झलकियां

फोटो: सुमित कुमार

यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन सत्तापक्ष व विपक्ष के नेताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर सदन की कार्यवाही में भाग लेने जाते कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल यादव, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, विधायक रागिनी सोनकर, अभय सिंह, तेज प्रताप यादव, संग्राम सिंह यादव, विधानसभा में कांग्रेस नेता सदन आराधना मिश्रा व अन्य।

जामिया इस्लामिया के छात्रों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सीएए के विरोध प्रदर्शन के दौरान अभद्रता करने का आरोप

» छात्रों के गंभीर रूप से घायल होने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 16 दिसंबर को सीएए के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में घुसकर उन पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

रविवार को जामिया ने कक्षाएं निलंबित कर दीं और अपनी लाइब्रेरी और कैंटीन को बंद कर दिया, क्योंकि एक छात्र संगठन ने 2019 के सीएए विरोधी प्रदर्शनों और परिसर में कथित पुलिस बर्बरता की सालगिरह को चिह्नित करने के लिए एक स्मरण कार्यक्रम मनाने की योजना बनाई थी। वामपंथी समर्थित अखिल भारतीय छात्र संघ ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले का उद्देश्य छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोकना था।

परिसर में प्रवेश और निकास द्वार प्रतिबंधित

अखिल भारतीय छात्र संघ (आईसा) ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले का उद्देश्य छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोकना था। उन्होंने यह भी दावा किया कि परिसर से प्रवेश और निकास द्वार प्रतिबंधित कर दिए गए थे, जो अंदर थे उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं थी और अन्य को प्रवेश करने से रोक दिया गया था।जामिया ने रविवार देर रात तीन सर्कुलर जारी किए, जिसमें कहा गया कि रखरखाव कार्य के कारण दोपहर 1 बजे से कक्षाएं, कैंटीन और लाइब्रेरी बंद रहेंगी।

जामिया प्रशासन की आलोचना की

आइसा ने एक बयान में जामिया प्रशासन की आलोचना की और पुलिस की आलोचना की, जिसे उसने असहमति को दबाने के लिए सांठगांठ कहा। इसमें कहा गया, विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर को पूरी तरह से बंद कर दिया है और इलाके के आसपास किसी भी गतिविधि को रोकने के लिए अंदर और बाहर पुलिस तैनात कर दी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा चार लोगों की मौत, एक गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया है। हादसे में चार की मौत हो गई। वहीं हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। उसको भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उधर दिल्ली के आदर्श नगर में एक 17 वर्षीय किशोर द्वारा चलाई जा रही कार ने 55 वर्षीय व्यक्ति और उसके सात वर्षीय पोते को और अन्य पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। जिससे वो घायल हो गए, इस मामले में धारा 281/125ए बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान, अपराधी वाहन के चालक को पकड़ लिया गया है और वाहन के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। दिल्ली पुलिस मामले में आगे जांच कर रही है।

मेरठ में उद्योगपति व भाजपा नेता के घर आयकर टीम की छापेमारी

» तीन पार्टनर्स के यहां कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ में बड़े उद्योगपति और भाजपा नेताओं के घर आयकर टीम ने छापेमारी की है। टीपीनगर थानाक्षेत्र में सुबह-सुबह मेरठ आयकर विभाग की टीम विश्वकर्मा बिल्डर्स के यहां पहुंची है। टीम ने विश्वकर्मा बिल्डर्स के तीनों पार्टनर कमल ठाकुर, प्रदीप गुप्ता उर्फ पिंकी और संजय जैन के यहां छापा मारा गया है।

टीम अभी कार्रवाई में जुटी है। वहीं आयकर विभाग की छापेमारी से शहर भर में हड़कंप मच गया है। कमल ठाकुर ने न्यू शंभू नगर कॉलोनी और उत्तर प्रदेश का पहला प्राइवेट इंडस्ट्रियल एस्टेट विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एस्टेट का निर्माण किया। अब इंडस्ट्रियल एस्टेट का विस्तार कार्य भी किया जा रहा है। आयकर की टीम ने मेरठ मॉल, न्यू शंभू नगर सहित तीन अन्य ठिकानों पर जांच शुरू कर दी है। टीम में मेरठ के अधिकारियों के अलावा गाजियाबाद नोएडा के अधिकारी भी शामिल है।

11 भारतीयों की मौत से जार्जिया में कोहराम

» रेस्ट्रोरेंट में काम करते थे भारतीय, गैस रिसाव से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जॉर्जिया के गुडौरी स्थित एक पहाड़ी रेस्तरां में 11 भारतीयों की मौत हो गई है। देश की राजधानी त्बिलिसी में भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि की है। प्रारंभिक रिपोर्टों में बताया गया है कि रेस्टोरेंट में कार्बन मोनोआक्साइड विषाक्तता की वजह से 11 भारतीय काल का ग्रास बने हैं।

जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने भी घटना की पुष्टि की है। एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक निरीक्षण में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले हैं। जॉर्जिया में स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग के शौकीनों के लिए एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। रेस्तरां में 12 लोग मारे गए हैं जिनमें 11 भारतीय हैं। पीड़ितों के शव एक स्की रिसॉर्ट में भारतीय भोजन रेस्तरां की इमारत की दूसरी मंजिल पर पाए गए। पीड़ित उसी भारतीय रेस्तरां में कर्मचारी थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बेडरूम के पास बंद जगह पर एक बिजली जनरेटर रखा गया था। शुक्रवार रात बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद जनरेटर चालू कर दिया गया, जिससे यह दुर्घटना हुई।

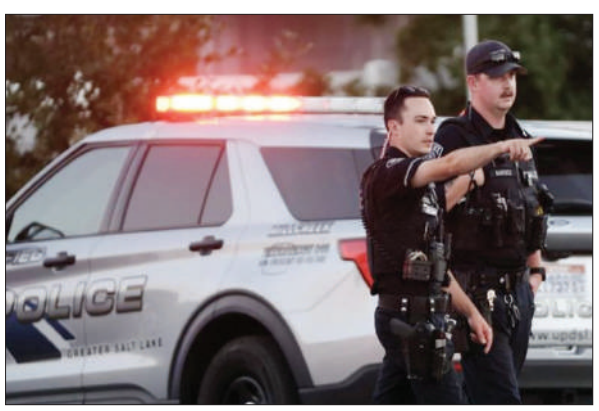

जल्द भारत पहुचेंगे शव

भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर शवों को शीघ्र भारत भेजने में जुटा है। दूतावास ने कहा, हम शोक संतप्त परिवारों के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स ने भी हवाले से बताया है कि पीड़ितों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के बयान के अनुसार 11 विदेशी थे जबकि एक पीड़ित जॉर्जियाई नागरिक था।

घटना की जांच शुरू

पुलिस ने मौत का सही कारण पता करने के लिए एक फोरेंसिक मेडिकल जांच शुरू कर दी है। इस पूरे मामले से संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज कराये जा रहे हैं। गुडौरी पर्यटकों को सभी स्तरों के आगंतुकों के लिए शीतकालीन खेल गतिविधियों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्की टाउन का इतिहास 19वीं शताब्दी का है, जब इसे रूस को जॉर्जिया से जोड़ने वाले प्राचीन जॉर्जियाई सैन्य मार्ग पर एक व्यापारिक चौकी के रूप में जाना जाता था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।